HCL-009-001501 Seat No. _____

Third Year B.R.S. (Sem. V) (CBCS) Examination

October – 2017

Hindi Literature & Language Correction : Foundation-1 : FND-511

(साहित्य आस्वाद्य और भाषाशुद्धि)

(New Course)

Faculty Code : 009
Subject Code : 001501

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सूचनानुसार उत्तर दीजिए ।

१ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानुसार उत्तर दीजिए : १५

(१) असूर शब्द का समानार्थी शब्द दीजिए ।

(२) गगन को चुमने वाला – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(३) श्वेतांगिनी शब्द का शुद्ध रूप दीजिए ।

(४) जिसकी आँखे मछली के समान हो – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(५) अनुवाद की परिभाषा दीजिए ।

(६) संक्षेपण के किसी दो गुण लिखे ।

(७) कार्य में संलग्न रहनेवाला – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(८) चीकु शब्द किस भाषा का है ?

(९) बाण शब्द के दो समानार्थी शब्द दीजिए ।

(१०) जो कला को जानता है वह – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(११) पक्षी शब्द के समानार्थी दीजिए ।

(१२) तत्सम् शब्द के–दो–उदाहरण लिखे ।

(१३) जो अपनी ही हत्या करता है वह – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

(१४) देशज शब्द के दो उदाहरण दीजिए ।

(१५) युग का निर्माण करने वाला – शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए ।

२ हिन्दी भाषा को समृद्ध बनाने वाले हिन्दी शब्द समूहों की उदाहरण देकर चर्चा कीजिए । १५

अथवा

२ संक्षेपण के गुणों को बताकर सविस्तार चर्चा कीजिए । १५

३ निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : १५

(१) गुजराती विषय के लिए शिक्षक पद के लिए आवेदन पत्र लिखे ।

(२) अनुवाद के प्रकारों के बारे में लिखें ।

(३) चेक का भुगतान रोकने के लिए अपनी नजदीक बैंक में पत्र लिखें ।

(४) अपने महोल्ले से गंदगी हटाने के लिए नगरपालिका को पत्र लिखे ।

(५) वर्तनी की चार अशुद्धियों के बारे में लिखें ।

४ राष्ट्रीय एकता और हिन्दी भाषा का महत्व स्पष्ट कीजिए । १५

अथवा

४ अनुवाद की परिभाषा देकर अनुवाद की उपयोगिता का वर्णन कीजिए । १५

५ निम्नलिखित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए : १०

मनुष्य का मन सदैव ही गतिशील रहता है । ऐसा होता है कि विरोधी शक्तियाँ उसे अपनी ओर खींचती है । जो मनुष्य मन की विपरीत परिस्थिति में अपने आपको मजबूती से खड़ा नहीं रखते वह धारा के साथ बह जाते है । वह कभी अपना उद्देश्य पूरा नहीं कर सकते । उनके लिए तो यही कहना चाहिये कि वह जीवीत रहते हुए भी मुर्दे के समान है । । इसलिए मन की अवस्था उसे पलट देती है । जो व्यक्ति समय एवम् परिस्थिति को समज लेते है वे कभी धोखा नहीं खाते । और कठिनाईयों के बीच भी अपना रास्ता खोज लेते है । लेकिन ऐसे लोगों की भी संख्या मिलती है, जो अपनी मनोदशा से नष्ट होकर, त्रस्त होकर ऐसे काम कर बैठते है कि जिनसे उनके शांतिमय जीवन में अशांति का विष घुल जाता है ।

अथवा

निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करें :

किसी भी देश या काल के लिए जवान तथा शिक्षक दोनों ही महत्वपूर्ण हैं । किसी एक के बिना समाज सुरक्षित नहीं रह सकता । दोनों ही समाज के रक्षक है, किंतु उनके कार्यों में भिन्नता दिखाई पड़ती है । एक शत्रुओं से देश की रक्षा करता है, तो दूसरा देश को समृद्ध बनाता है । फिर भी शिक्षक का उत्तर दायित्व जीवन से कहीं बढ़कर है । भावी नागरिक निर्माण करने की जिम्मेदारी शिक्षक के उपर है । वह उसके शारीरिक, मानसिक तथा नैतिक विकास का जनक है, जिस पर व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र निर्भर है । शिक्षक के ही द्वारा कोई योग्य सैनिक बन सकता है । हमारे अहिंसक आंदोलन ने दुनिया को दिखा दिया कि शिक्षक सैनिक से कहीं श्रेष्ठ है ।